Skill Development Programme

For Answer Writing

Disaster Management (Model Answer)

DATE :21-May-2018 **TIME : 03:15 pm**

मुख्य परीक्षा

प्र. **भारत में भूकम्प से प्रभावित क्षेत्रों को चित्रों के माध्यम से स्पष्ट करते हुए, इसके लिए उत्तरदायी कारकों को रेखांकित करें। मानव जीवन पर इसके कौन से प्रभाव दृष्टिगोचर होते हैं? साथ ही एक अधिकारी के तौर पर आप कौन-सा अग्रगामी और पश्चगामी प्रबंधनकारी रणनीति अपनायेंगे? विस्तारपूर्वक बताएं। (250 शब्द)**

Illustrate the areas affected by earthquakes in India and highlight the factors responsible for it. What are its visible effects on human life. As an officer what pre and post management strategy you would adopt. Elaborate. (250 Words)

MODEL ANSWER

उत्तर- भारत में भू-गर्भिक संरचना, भू-आकृति और प्लेट संबंधी सक्रियता भिन्न-भिन्न पायी जाती है, जिसमें भूकम्प से प्रभावित क्षेत्रों में तीव्रता अलग-अलग देखने को मिलती है।

भूकम्प का मानव जीवन पर प्रभावों में यथा-

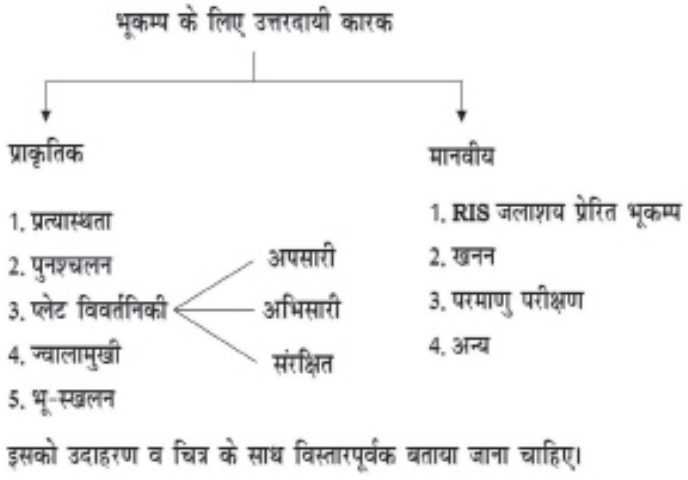

इसको उदाहरण व चित्र के साथ विस्तारपूर्वक बताया जाना चाहिए।

जान माल की क्षति, नदियों के मार्ग में परिवर्तन जिसमें बाढ़ की समस्या, आर्थिक संपत्तियों का नुकसान, आग लगने की संभावना, मृदा की उपजाऊ शक्ति में कमी, जैव विविधता में कमी, मरुस्थलीकरण का भय, साथ ही भूकम्प, भूस्खलन एवं सुनामी जैसी घटनाओं का भी कारण देखने को मिलता है।

एक अधिकारी के तौर पर अग्रगामी उपाय-

- भूकम्प संभावित क्षेत्रों की पहचान एवं मानचित्रण
- भूकम्प जोन के अनुसार निर्माण कार्यों के लिए निर्देश
- पूर्व चेतावनी प्रणाली एवं जन सूचना
- क्या करना? और क्या नहीं करना? का निर्देश।

पश्चगामी-

- राहत सामग्री यथा शीघ्र उपस्थित करवाना
- स्वास्थ्य के लिए डॉक्टरों को प्रभावित क्षेत्रों में पहुँचाना
- प्रभावित लोगों में से बूढ़े, बच्चे एवं महिलाओं को जल्दी निकालने की प्राथमिकता देना
- सहानुभूति पूर्ण कदम उठाना

अत: भूकम्प के प्रभाव को हम अग्रगामी और पश्चगामी बेहतर रणनीतियों के माध्यम से कम कर सकते हैं, जो आपदा से निपटने में सहायक हो सकते हैं।

Committed To Excellence